**भारत सरकार**

**वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय**

**औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्या: 974**

**बुधवार 29 जुलाई, 2015 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर द्वारा 'मेक इन इंडिया' के विरुद्ध चेतावनी**

**अता.प्र.सं. 974. श्री पलवई गोवर्धन रेड्‌डीः**

**क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर ने विनिर्माण जैसे किसी एक क्षेत्र विशेष को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु चुनने के विरुद्ध चेतावनी जारी की है और 'मेक इन इंडिया' की जगह 'मेड इन इंडिया' की पैरवी की है; और

(ख) इस बात के आलोक में कि 'मेक इन इंडिया' का उद्देश्य चीन जैसी निर्यातोन्मुखी विकास की राह अपनाने का प्रयास करना है, सरकार की इस चेतावनी के संबंध में क्या राय है

**उत्‍तर**

**वाणिज्‍य और उद्योग राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्रीमती निर्मला सीतारमण)**

(क) और (ख): समाचारों के अनुसार, गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक ने वि‍श्‍व स्‍तरीय कमजोर स्थिति के संदर्भ में वि‍भिन्‍न नीतिपरक पहलुओं पर अपने वि‍चार प्रकट किए हैं और एक निर्यात प्रधान वि‍कास रणनीति अथवा वि‍निर्माण जैसे किसी वि‍शेष क्षेत्र को प्रोत्‍साहन के संबंध में चिंता प्रकट की है। तथापि, सरकार की ‘मेक इन इंडिया’ पहल का उद्देश्‍य घरेलू तथा वि‍देशी व्‍यापार एवं वि‍निवेश हेतु अनुकूल एवं सहायक वातावरण प्रदान करना, बौद्धिक संपदा को प्रोत्‍साहित एवं संरक्षित करना, नवप्रयोग को बढ़ाया देना, कौशल वि‍कास को बढ़ावा देना और सर्वोत्‍तम श्रेणी की वि‍निर्माण अवसंरचना व्‍यवस्‍था करना है। ‘मेक इन इंडिया’ में सम्मिलित 25 प्रमुख क्षेत्रों में पहले से ही केवल वि‍निर्माण क्षेत्र ही शामिल नहीं है अपितु अवसंरचना और सेवा क्षेत्र भी शामिल हैं।

\*\*\*\*\*